बी. ए. द्वितीय वर्ष
भारत का इतिहास
(सन् 1206 ई. से 1761 ई. तक)
(प्रथम प्रश्न पत्र)

खण्ड – I

सल्तनतकालीन एवं मुगलकालीन इतिहास के स्रोत, दास वंश (ऐबक, इल्तुतमिश, रजिया एवं बलबन) खिलजी वंश : अलाउद्दीन खिलजी, तुगलक वंश : मुहम्मद बिन तुगलक एवं फिरोजशाह तुगलक, भारत पर तैमूर का आक्रमण

खण्ड – II

मुगल साम्राज्य की स्थापना : बाबर, शेरशाह सूरी की प्रशासन व्यवस्था, अकबर की राजपूत नीति, मुगल शासकों की धार्मिक नीतिः अकबर से औरंगजेब तक, मुगलकालीन राजनीतिक संस्थाएँ एवं प्रशासन, सल्तनतकालीन सामाजिक एवं आर्थिक दशा, मुगलकालीन सामाजिक एवं आर्थिक दशा, धार्मिक एवं सांस्कृतिक दशा। भक्ति आन्दोलन तथा सूफीवाद

खण्ड – III

सल्तनतकालीन तथा मुगलकालीन कला एवं स्थापत्य, सल्तनतकालीन तथा मुगलकालीन शिक्षा एवं साहित्य

खण्ड – IV

विजयनगर राज्य : कृष्णदेवराय, बहमनी राज्य, शिवाजी एवं उनका प्रशासन, तृतीय पानीपत युद्ध कारण एवं परिणाम

विश्व का इतिहास
(सन् 1789 ई. से 1871 ई. तक)
(द्वितीय प्रश्न पत्र)

खण्ड – 1

अध्याय 1 : फ्रांस की क्रान्ति – नेशनल कन्वेन्शन से आतंक के राज्य तक

उद्देश्य, प्राक्कथन, फ्रांस की राज्य क्रान्ति के कारण, क्रान्ति के प्रभाव व परिणाम, दार्शनिकों का योगदान, हेज का मत, सामाजिक समानता की स्थापना, राष्ट्रीय सभा के कार्य का मूल्यांकन, संविधान की त्रुटियाँ, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 2 : डायरेक्टरी शासन

उद्देश्य, प्राक्कथन, नेपोलियन मंच पर, इटली में नेपोलियन की सफलता, आस्ट्रिया से सन्धि, समुद्र पर युद्व नवजात गणतन्त्र संकट में, नेपोलियन का फ्रांस लौटना, नील नदी का युद्व डायरेक्टरी का अन्त, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 3 : नेपोलियन बोनापार्ट का उत्थान एवं उपलब्धियाँ

उद्देश्य, प्राक्कथन, नेपोलियन का उत्थान (कोन्तुलरशिप)1799–1804, आन्तरिक समस्याएं एवं सुधार, प्रशासनिक व्यवस्था, वित्तीय व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली, नागरिक प्रशासन, विदेश नीति, नेपोलियन का सम्राट बनना 1804 परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 4 : नेपोलियन बोनापार्ट का पतन

उद्देश्य, प्राक्कथन, महाद्वीपीय व्यवस्था, स्पेन से प्रायद्वीपीय युद्व इंग्लैण्ड का सहयोग, मसेना की पराजय, नेपोलियन की असफलता के कारण, रूस तथा नेपोलियन, प्रशा की जागृति, परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 2

अध्याय 5 : वियना काँग्रेस, यूरोप की संयुक्त व्यवस्था

उद्देश्य, प्राक्कथन, वियना काँग्रेस की प्रमुख समस्याएँ, वियना काँग्रेस में भाग लेने वाले प्रमुख देश एवं उनके प्रतिनिधि वियना काँग्रेस के प्रमुख सिद्धात, वियना काँग्रेस के महत्वपूर्ण निर्णय, वियना समझौते की आलोचना, यूरोप में संयुक्त व्यवस्था, संयुक्त व्यवस्था की असफलता के कारण, सारांश, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 6 : अनुदारवाद मैटरनिख

उद्देश्य, प्राक्कथन, मेटरनिख का प्रारंभिक जीवन, मेटरनिख का राजनीतिक जीवन, मेटरनिख की निति, नेपोलियन व जार एलेक्जेण्डर के प्रति दृष्टिकोण, वियना काँग्रेस, मेटरनिख और जर्मनी, मेटरनिख व टर्की, पतन के कारण, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 7 : 1830 की क्रांन्ति–कारण एवं परिणाम

उद्देश्य, प्राक्कथन, 1830 की क्रान्तियों की प्रकृति, दसवाँ चार्ल्स, जुलाई–क्रान्ति, बेल्जियम लोगों के असन्तोष के कारण, क्रान्ति और दमन, अखिल जर्मन राष्ट्रीयता, इटली की क्रान्ति, पोलैण्ड की स्थिति, फ्रेन्च क्रान्ति का इंग्लैण्ड पर प्रभाव, पार्लियामेण्ट के सुधार का आन्दोलन, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 8 : 1848 की क्रान्ति–कारण एवं परिणाम

उद्देश्य, सन् 1848 क्रान्ति का वर्ष, 1848 की यूरोपीय क्रान्ति के कारण, आर्थिक परिवर्तन, मध्य यूरोप की स्थिति, उदारवाद की प्रगति, वियना में क्रान्ति और मेटरनिख का पालन, इटली में क्रान्ति, अखिल जर्मन संविधान सभा, क्रान्ति के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 3

अध्याय 9 : औद्योगिक क्रान्ति

उद्देश्य, प्राक्कथन, औद्योगिक क्रान्ति के कारण, औद्योगिक क्रान्ति का क्षेत्र, औद्योगिक क्रान्ति के परिणाम, आर्थिक परिणाम, सामाजिक परिणाम, राजनीतिक तथा वैचारिक प्रभाव, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 10 : इंग्लैण्ड में उदारवाद–1832 के सुधार

उद्देश्य, प्राक्कथन सुधार आन्दोलन के कारण, 1832 का सुधार अधिनियम, 1832 के सुधार अधिनियम की प्रमुख धाराएँ, सुधार अधिनियम का महत्व, 1832 के अधिनियम वेफ परिणाम, 1832 के सुधार अधिनियम की आलोचना परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 11 : 1867 के सुधार

उद्देश्य, सुधार अधिनियम 1867, इंग्लैण्ड में प्रजातन्त्र, विभिन्न देशों में संविधानिक शासन की स्थापना, संसद का प्रथम सुधार, डिजरैली तथा टोरी प्रजातन्त्र, शांन्ति एवं सन्तोष का काल, संसद का द्वितीय सुधार

अध्याय 12 : चार्टिस्ट आन्दोलन

उद्देश्य चार्टिस्ट आन्दोलन से आशय, चार्टिस्ट आन्दोलन के कारण, औद्योगिक पहलू, राजनीतिक पहलू, चार्टिस्ट आन्दोलन की प्रगति, आन्दोलन की असफलता के कारण, चार्टिस्ट आन्दोलन के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 13 : नेपोलियन तृतीय की उपलब्धियाँ

उद्देश्य, प्राक्कथन, लुई नेपोलियन का जीवन–वृत्त, अन्तरिम सरकार का प्रोग्राम, राष्ट्रीय सभा के कार्य, लुई नेपोलियन के राष्ट्रपति बनने के कारण, अलुई नेपोलियन के कार्य, नेपोलियन तृतीय की गृह नीति, नेपोलियन तृतीय की विदेश नीति, सेडन का युद्ध के परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 14 : पूर्वी समस्याः ग्रीस का स्वतन्त्रता आन्दोलन व क्रीमिया का युद्ध

उद्देश्य, बाल्कन प्रायद्वीप में तुर्क लो, रोगग्रस्त तुर्क साम्राज्य, आस्ट्रिया और रूस के हित,फ्रांस और इंग्लैंण्ड, पूर्वी समस्या, बाल्कन राष्ट्र, ग्रीस का स्वतन्त्रता युद्ध स्वतन्त्रता संग्राम का श्री गणेश, क्रीमिया का युद्ध, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 15 : यूनान का स्वतंत्राता संग्राम

उद्देश्य, यूनान का स्वतंत्रता संग्राम, पवित्र संघ की पृष्ठभूमि, चतुर्मुख मित्रमण्डल, प्रमुख उद्देश्य, एक्स–ला–शापेल, ट्रोपा कॉंग्रेस, लेवाख की कॉंग्रेस, स्पेन की समस्या, परीक्षापयोगी प्रश्न

खण्ड – 4

अध्याय 16 : रूस–जार अलेक्जेण्डर द्वितीय

उद्देश्य, प्राक्कथन, असंतोष की आग, फरवरी की क्रान्ति एवं निरंकुश राजतंत्र का अंत, लेनिन द्वारा बोलशेविक क्रान्ति की तैयारी, अक्टूबर की क्रान्ति, बोलशेविक क्रान्ति और फांसीसी क्रान्ति, बोलशेविक प्रशासन, नई आर्थिक नीति, पंचवर्षीय योजनाएँ, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 17 : इटली का एकीकरण

उद्देश्य, प्राक्कथन, कार्वनरी का प्रारम्भ, राष्ट्रवादियों और देशभक्तों द्वारा स्वतन्त्रता संग्राम की तैयारियाँ, मेजिनी और पीडमांट का प्रादुर्भाव, गैरीबाल्डी का योगदान, इटली के एकीकरण के विभिन्न चरण, मार्क्विस–डी–कैवूर का इटली के एकीकरण में योगदान, कैवूर की विदेश नीति, सम्राट विक्टर इमैयुएल द्वितीय, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 18 : जर्मनी का एकीकरण

उद्देश्य, प्राक्कथन, जर्मनी के एकीकरण की पृष्ठभूमि, फ्रान्सीसी क्रान्ति के पहले जर्मनी की स्थिति, जर्मनी के एकीकरण में बाधाएँ, उदारवादी आन्दोलन का प्रारम्भ, श्लेजविग हाल्सटीन का प्रश्न फ्रैकफ्रंट संसद की सपफलता, एकीकरण की पुनः चेष्टा, सेडोवा के युद्ध के परिणाम, परीक्षापयोगी प्रश्न

अध्याय 19 : मेईजी पुनःस्थापना 1868

उद्देश्य, प्राक्कथन, शोगून के शासन का विरोध, मेईजी पुनः स्थापना के कारण, जापान में पुनः स्थापना का महत्व, सामन्त प्रथा की समाप्ति, औद्योगिक उन्नति, कृषि व्यवस्था में सुधार, धार्मिक परिवर्तन, मेईजी संविधान, परीक्षोपयोगी प्रश्न